http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 104

प्रयागराज सोमवार 30 दिसम्बर 2024

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

दक्षिण कोरिया विमान हादसे में 179 की मौत की आशंका

● जेजू एयर के सीईओ ने हादसे के लिए मांगी माफी, 179 लोगों के मारे जाने की आशंका

सियोल,(एजेंसी)। जेजू एयर के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) किम ई–बे ने मुआन हवाई अड्डे पर हुई दुर्घटना के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हम भी संबंधित सरकारी एजेंसी की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया में हुए भीषण विमान हादसे को लेकर एयरलाइंस जेजू एयर के सीईओ ने माफी मांगी है। कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर ये माफी पोस्ट की गई है। जेजू एयर के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) किम ई–बे ने मुआन हवाई अड्डे पर हुई दुर्घटना के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हम भी संबंधित सरकारी एजेंसी की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। सीईओ ने मृतकों और उनके परिवारों के प्रति जताई संवेदनाकिम ई–बे ने माफीनामे में लिखा कि श्सबसे पहले, हम उन सभी लोगों से माफी मांगते हैं जिन्होंने जेजू एयर पर भरोसा किया। 29 दिसंबर को सुबह लगभग 9:03 बजे, बैंकॉक से मुआन जाने वाली फ्लाइट 7C2216 में मुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय आग लग गई। हम इस दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले यात्रियों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और माफी मांगते हैं। दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, और हमें जांच रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए। कारण चाहे जो भी हो, सीईओ के रूप में, मैं इस घटना के लिए गहरी जिम्मेदारी महसूस करता हूं। जेजू एयर इस दुर्घटना को तुरंत संभालने और उसमें सवार लोगों के परिवारों का समर्थन करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

मन की बात का 117वां एपिसोडः पीएम बोले...

महाकुंभ जाएं तो संकल्प लेकर लौटें

● समाज से विभाजन और विद्वेष खत्म करेंगे
● पीएम मोदी बोले– हमारा संविधान समय की कसौटी पर खरा उतरा, इसकी वजह से ही मैं यहां तक पहुंचा

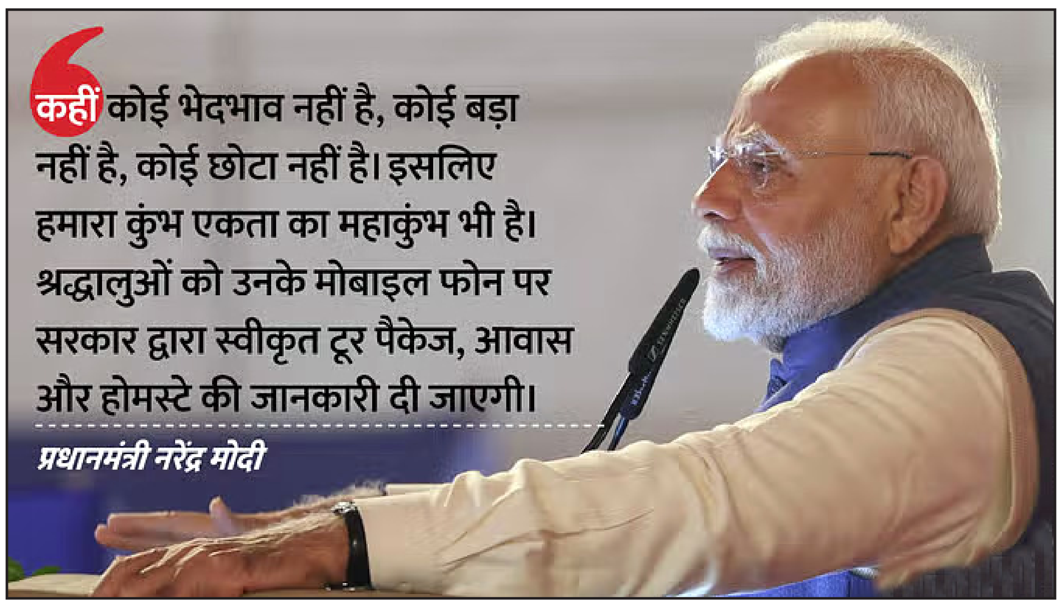

नई दिल्ली,(एजेंसी)। इस कार्यक्रम की शुरुआत तीन अक्तूबर 2014 को हुई थी। इसे 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी प्रसारित किया जाता है। आइए पढ़ते हैं साल की आखिरी श्मन की बातश में पीएम मोदी के संबोधन की बड़ी बातें... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश के जरिए लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा पीएम मोदी ने संविधान पर भी बात की। श्मन की बातश के 117वें एपिसोड में पीएम मोदी ने कहा कि 2025 में 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहे हैं। हम सभी के लिए बहुत गौरव की बात है। हमारे संविधान निर्माताओं ने हमें जो संविधान सौंपा है, वो समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है। संविधान हमारे लिए दिशा दिखाने वाली रोशनी है, हमारा मार्गदर्शक है। यह भारत का संविधान ही है जिसकी वजह से वह आज यहां हैं। उन्होंने लोगों से श्कॉन्स्टिट्यूशन75 डॉट कॉमश वेबसाइट देखने को कहा, जिसे देश के नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए शुरू किया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि लोग इस पर संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपना वीडियो अपलोड कर सकते हैं, साथ ही अलग–अलग भाषाओं में संविधान पढ़ सकते हैं और संविधान के बारे में प्रश्न भी पूछ सकते हैं। इस वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस से एक वर्ष तक जारी रहने वाली कई गतिविधियां शुरू हुई हैं।उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए constitution75-com नाम से एक खास वेबसाइट भी बनाई गई है। इसमें आप संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपना वीडियो अपलोड कर सकते हैं। अलग–अलग भाषाओं में संविधान पढ़ सकते हैं, संविधान के बारे में प्रश्न भी पूछ सकते हैं। श्मन की बातश के श्रोताओं से, स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों से, कॉलेज में जाने वाले युवाओं से, मेरा आग्रह है, इस वेबसाइट पर जरूर जाकर देखें, इसका हिस्सा बनें।

मनमोहन सिंह की अस्थियां यमुना में विसर्जित

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की अस्थियां यहां यमुना के तट पर स्थित घाट पर विसर्जित कर दी गई हैं। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक पेज पर यह जानकारी देते हुए ट्वीट किया,"आज भारत

मां के सपूत और देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी की अस्थियां पूरे विधि–विधान के साथ मजनू का टीला स्थित गुरुद्वारे के पास यमुना घाट पर विसर्जित की गईं। हम सभी मनमोहन सिंह जी की देश सेवा, समर्पण और उनकी सहजता को हमेशा याद रखेंगे।" गौरतलब है कि डॉ सिंह का निधन 26 दिसंबर को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में हुआ और शनिवार को निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

जेपी नड्डा का `सुपर प्राइम मिनिस्टर' के जरिए कांग्रेस पर पलटवार

● मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटितः नड्डा
● गांधी परिवार ने अपने अलावा किसी को सम्मान नहीं दियाः जेपी नड्डा

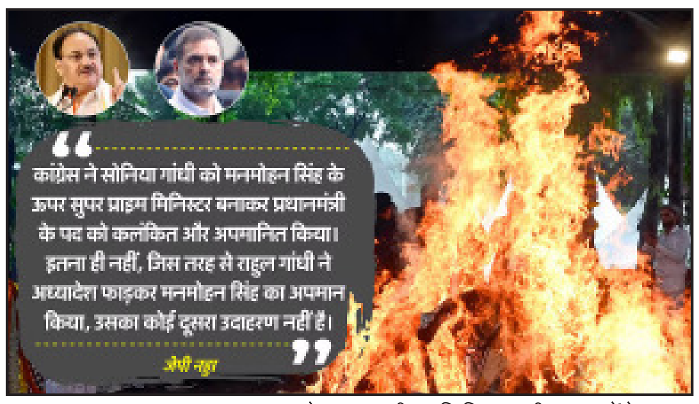

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत में आर्थिक सुधारों के जनक कहे जाने वाले पूर्व वित्त मंत्री और दो बार प्रध ाानमंत्री रहे मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया था। वह 92 साल के थे। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ निगमबोध घाट पर किया गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर करारा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने का निर्णय किया है। उनके परिवार को इस बारे में जानकारी भी दी गई है। इसके साथ ही भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर घटिया राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने श्सुपर प्राइम मिनिस्टरश और अध्यादेश फाड़े जाने के वाकये का जिक्र कर राहुल गांध ाी को खूब खरी–खोटी सुनाई। कहां से शुरू हुआ विवाद दरअसल, कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर देश के पहले सिख प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए उचित और सम्मानजनक स्थान नहीं देने का आरोप लगाया। कांग्रेस की मांग थी कि अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर किया जाना चाहिए था, जहां बाद में उनका स्मारक बनाया जा सके। राहुल गांधी ने क्या कहा? लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और केंद्र की एनडीए सरकार ने मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री का सरासर अपमान किया है। भाजपा अध्यक्ष ने किया पलटवार इस बीच जेपी नड्डा ने कांग्रेस के आरोप पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पूर्व प्रध ाानमंत्री के दुखद निधन पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस की ऐसी ओछी सोच की जितनी भी निंदा की जाए, कम है। कांग्रेस ने मनमोहन सिंह को उनके जीवित रहते कभी वास्तविक सम्मान नहीं दिया।

पहाड़ बर्फ से लकदक, ठंड से कांपा हिमाचल

शिमला,(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश–बर्फबारी के चलते तीन नेशनल हाईवे समेत प्रदेश भर में 433 सड़कें बंद हो गई हैं। वहीं, शुक्रवार रात सोलंगनाला से 2,000 वाहनों में फंसे करीब 10 हजार

सैलानियों को सुरक्षित मनाली पहुंचा दिया है। कैसा रहेगा मौसम खबर में जानें... हिमाचल के कई इलाकों में पिछले 24 घंटों से लगातार हिमपात के चलते पहाड़ बर्फ से लकदक हो गए हैं। कुल्लू, लाहौल–स्पीति, किन्नौर, शिमला, चंबा और कांगड़ा जिला के पर्वतीय इलाकों में भारी बर्फबारी के साथ पूरे प्रदेश में झमाझम बारिश हो रही है। भारी बारिश–बर्फबारी के चलते तीन नेशनल हाईवे समेत प्रदेश भर में 433 सड़कें बंद हो गई हैं। शुक्रवार रात सोलंगनाला से 2,000 वाहनों में फंसे करीब 10 हजार सैलानियों को सुरक्षित मनाली पहुंचा दिया है। लाहौल के तिंदी से दो लोगों को रेस्क्यू किया है। सिस्सू, शाशिन नर्सरी व आसपास के इलाकों में करीब 50 सैलानी फंसे हैं, मगर सभी होटल व होमस्टे में सुरक्षित हैं।

'दिल्ली में भाजपा का ऑपरेशन कमल शुरू'

● केजरीवाल बोले फर्जी वोटिंग से जीतने का प्लान, संजय सिंह का दावा–पत्नी का भी नाम कटवाया जा रहा

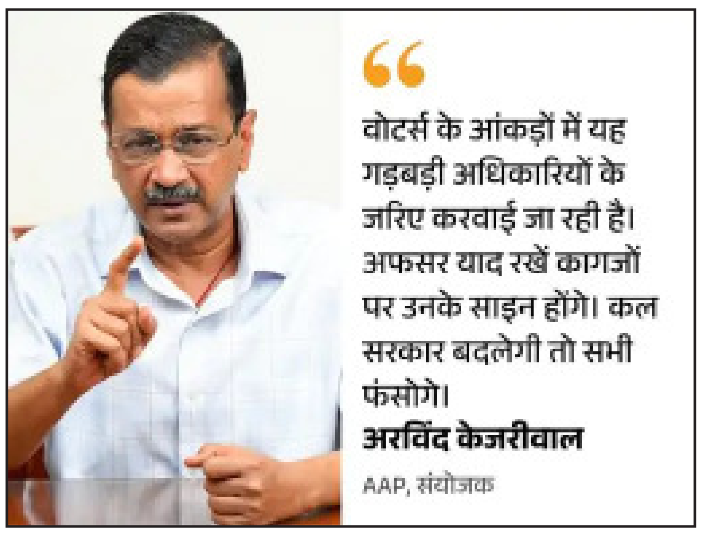

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। केजरीवाल ने भाजपा पर दिल्ली में मतदाता सूचियों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को ष्ऑपरेशन लोटसष का नाम दिया और दावा किया कि भाजपा आगामी विधानसभा चुनावों को प्रभावित करने के लिए 15 दिसंबर से ही इस ऑपरेशन को चला रही है। चुनाव से पहले बीजेपी ने मानी हार– केजरीवाल रविवार (29 दिसंबर) को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए केजरीवाल ने दावा किया, ष्भाजपा ने दिल्ली में अपनी हार पहले ही स्वीकार कर ली है। उनके पास न तो मुख्यमंत्री पद का कोई चेहरा है, न ही कोई विजन और न ही कोई विश्वसनीय उम्मीदवार है। किसी भी कीमत पर चुनाव जीतने के लिए वे मतदाता सूची में हेराफेरी जैसे बेईमान हथकंडे अपना रहे हैं।ष 15 दिसंबर से ऑपरेशन लोटस सक्रिय केजरीवाल ने कहा, ष्मेरे नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में 15 दिसंबर से ऑपरेशन लोटस सक्रिय है। इन 15 दिनों में 5,000 मतदाताओं के नाम हटाने के लिए आवेदन किए गए। इसके अलावा, 7,500 मतदाताओं को जोड़ने के लिए आवेदन किए गए हैं। 12ः वोटों में हेराफेरी हो रही है।ष केजरीवाल ने आरोप लगाया कि अकेले शाहदरा में भाजपा ने 11,800 वोट हटाने के लिए आवेदन किया था, लेकिन भारत के चुनाव आयोग के हस्तक्षेप के बाद इस कदम को रोक दिया गया। इस आरोप के बाद भाजपा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन यह राजनीतिक घमासान दिल्ली के आगामी चुनावों को लेकर और भी गरमाने की संभावना को बढ़ा सकता है।वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके आरोप लगाया था कि वोटर लिस्ट में जिन नए लोगों को शामिल किया गया है, उनमें से कई 40 साल के हैं और एक की उम्र तो 80 साल है।

ये कैसे मुमकिन है कि इससे पहले कभी वोटर लिस्ट में इन्हें रजिस्टर नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि ये सवाल भी उठता है कि ये लोग कौन हैं और अब तक कहां रह रहे थे।

राजस्थान में वर्ष 2024 रहा भजनलाल के नाम

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान में राजनीति एवं सियासी फिजा में बड़ा बदलाव आया और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बड़े राजनेता के रुप में उभरकर सामने आये और वर्ष 2024 उनके नाम रहा वहीं यह साल वर्षों से राजनीति में अपना दबादबा रखने वाले शीशराम ओला, हनुमान

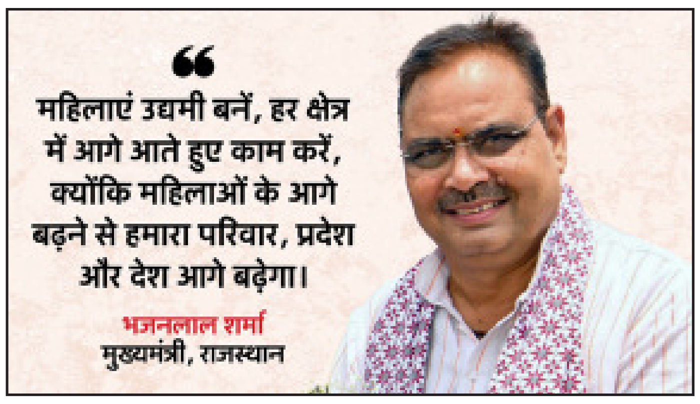

बेनीवाल, जुबैर खान एवं डा किरोड़ी लाल मीणा परिवार को सियासी जख्म भी दे गया। श्री शर्मा वर्ष 2024 के शुरु होने से करीब एक महीने पहले ही पहली बार विधायक चुने गये और उन्हें पहली बार में ही राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य मिला, तब यह लग रहा था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में दो बार की मुख्यमंत्री रही वसुंधरा राजे तथा अन्य कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी के बावजूद श्री शर्मा को मुख्यमंत्री के रुप में चुना जाना यह जल्दबाजी में लिया गया फैसला हैं लेकिन भजनलाल ने मुख्यमंत्री के रुप में जमने में ज्यादा समय नहीं लिया और उन्होंने कई ऐतिहासिक फैसले एवं अपनी राजनीतिक सूझबूझ से कई नये कीर्तिमान स्थापित करके वर्ष 2024 अपने नाम लिखा लिया। उन्होंने वर्ष 2024 में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी), यमुना जल समझौता, प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए गत नौ से ग्यारह दिसंबर तक राजधानी जयपुर।

मथुरा में बड़ा सड़क हादसा

● कैंटर ने ईंटों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली में मारी टक्कर, तीन की मौत और एक गंभीर

मथुरा,(एजेंसी)। मथुरा में दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में एक युवक घायल हुआ है। हाईवे पर ईंटों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली में कैंटर ने टक्कर मार दी। पुलिस हादसे की वजह जानने में जुटी है। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित छाता शुगर मिल के सामने ईंटों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली में पीछे से कैंटर चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर चालक, परिचालक और कैंटर के चालक की मौत हो गई। जबकि कैंटर का परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गसूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और परिजन को सूचना दी।कोतवाली प्रभारी संजय कुमार त्यागी ने बताया कि रविवार की सुबह छह बजे के करीब छाता शुगर मिल के सामने मथुरा की ओर रहे ईंटों से भरी ट्रैक्टर–ट्राली में पीछे से कैंटर चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर हरियाणा के बुलवाना निवासी चालक पूरन, बरसाना के सहार निवासी परिचालक उमेश, आजमगढ़ के कैंटर चालक प्रिंस सिंह और दिल्ली के महिपालपुर निवासी धर्मेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना पर पुलिस और एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस के अनुसार, उमेश और कैंटर चालक प्रिंस ने कुछ ही देर में मौके पर दम तोड़ दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल ट्रैक्टर चालक पूरन को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल कैंटर चालक धर्मेंद्र को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। आधा घंटे तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगा जाम दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर आधा घंटे तक वाहनों का आवागमन एकदम बंद हो गया। कैंटर ने इतनी जोर से ट्रैक्टर–ट्राली में टक्कर मारी थी कि चालक और परिचालक दोनों ट्रैक्टर से काफी दूर जाकर गिरे और ट्रॉली में भरी ईंट हाईवे पर फैल गई। पुलिस और एनएचएआई की टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग से ईंटों को हटाया। इस दौरान करीब आधा घंटे तक हाईवे पर जाम लगा रहा। पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रैक्टर–ट्राली और कैंटर को हाईवे किनारे कराया। तब जाकर वाहनों का आवागमन सुचारू हो सका। जोरदार आवाज से सिहर गए आसपास के लोग छाता शुगर मिल के सामने जब कैंटर ने ट्रैक्टर ट्रॉली में टक्कर मारी तो इतनी जोर की आवाज हुई।

सम्पादकीय

भीमाशंकर में पर्यावरण बचाने की पहल

आदिवासियों का जीवन जंगल से जुड़ा हुआ है। वे प्रकृति पर निर्भर हैं, और उसे करीब से जानते हैं। महाराष्ट्र के ऐसे ही आदिवासियों समुदाय के साथ मुझे दो दिन गुजारने का मौका मिला। इस यात्रा से उनकी जीवनशैली, भोजन की विविधता और एकता को जाना समझा। आज ऐसे ही अनूठे समुदाय की यात्रा पर यह स्तंभ है, हम जान सकें कि किन कठिन परिस्थितियों में वहां के लोग रहते हैं, और जंगल, जैव विविधता व पर्यावरण को भी बचाते हैं। कुछ समय पूर्व मुझे इन गांवों में जाने का मौका मिला। यहां मुझे कल्पवृक्ष के कार्यकर्ता सुभाष डोलस ले गए थे। उनके गांव येळवळी में ही दो दिन रूका। यह गांव पुणे जिले की खेड़ तहसील में स्थित है। जंगल और पहाड़ से घिरा हुआ है। यह बहुत छोटा गांव है, जहां 23 घर हैं और कुल आबादी 123 है। यहां के बाशिन्दे महादेव कोली आदिवासी हैं। इस गांव से 4 किलोमीटर दूर ही 12 ज्योतिर्लिंगो में से एक भीमाशंकर मंदिर है। यहां साल भर धार्मिक श्रद्धालु आते रहते हैं। यह गांव पश्चिमी घाट स्थित सह्याद्री पर्वतमाला में बसा है। यहां तक पहुंचने का रास्ता अत्यंत दुर्गम है। ऊंची पहाड़ी है, जिसे चढ़ना पड़ता है। यहां धान की खेती प्रमुख है। भीमा नदी भी है, छोटे–छोटे तालाब भी हैं, जिससे कुछ गांव के लोग सिंचाई करते हैं। यहां के लोगों का जीवन मुख्य रूप से जंगल पर निर्भर है। वे जंगल से कई तरह के कंद–मूल, हरी पत्तीदार सब्जियां, फल–फूल, शहद लाते हैं। यहां के अधिकांश लोगों की आजीविका जड़ी–बूटी बेचकर चलती है। इसके अलावा, पशुपालन व मजदूरी भी करते हैं। इस इलाके में बदलाव की शुरूआत पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत कल्पवृक्ष संस्था व ग्रामीणों ने मिलकर की। वर्ष 2008 से गांव–समाज पर्यावरण की रक्षा के साथ आजीविका की रक्षा कैसे कर सकते हैं, इस पर बैठकों का दौर हुआ। इन बैठकों में अधिकांश वन अधिकार कानून,2006 को लेकर हुई थीं। शुरूआत में बहुत कम लोग बैठकों में आते थे, लेकिन धीरे–धीरे उनका जुड़ाव होने लगा। येळवळी गांव में एक संगठन भी बन गया। इस संगठन का नाम है ग्राम पारिस्थितिकी विकास समिति। कल्पवृक्ष के कार्यकर्ता सुभाष डोलस और प्रदीप चव्हाण ने बताया कि इस पूरी पहल को आगे बढ़ाने के लिए गांव में लोकतांत्रिक तरीके से बैठकें होती हैं। बैठक होने से दो–तीन दिन पहले स्थान व तारीख की जानकारी दी जाती है। बैठक में जितने भी लोग आते हैं, लगभग सभी को उनकी बात रखने का मौका दिया जाता है। विशेष तौर पर, महिलाओं को भी उनकी बात रखने का मौका दिया जाता है। बैठकों में गांव के सभी मुद्दों पर चर्चा होती है। जैसे बिजली, पानी, सड़क, पर्यावरण की रक्षा के साथ पर्यटन से आजीविका इत्यादि। येळवळी गांव के कल्पवृक्ष कार्यकर्ता सुभाष डोलस बताते हैं कि श्हमने तय किया कि हम जंगल का संरक्षण, व्यवस्थापन और पुनर्निर्माण करेंगे। इसके लिए वन अधिकार कानून के तहत् सामुदायिक हक लेंगें और जंगल के साथ आजीविका की रक्षा भी करेंगे। यह भी तय किया गया कि गांव के आसपास के जंगल में निगरानी की जाएगी और बाहरी लोगों को जंगल से लकड़ी लेने या किसी भी तरह से जंगली जानवरों को नुकसान पहुंचाने से बचाएंगे।श उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत दो गांव खरपूड और भोमाळे गांव को वर्ष 2020 को सामुदायिक वन संसाधन और जंगल संरक्षण का अधिकार मिल गया है। खरपूड को 938 हेक्टेयर 73 आर का और भोपाळे को 462 हेक्टे. 15 आर का जंगल का अधिकार मिला है। अब इन दोनों गांवों में सामुदायिक वन संसाधन और जंगल संरक्षण व व्यवस्थापन का माइक्रो प्लान बनाया जा रहा है। इसके तहत कई शासकीय योजनाओं से जोड़कर पर्यावरण के साथ कई रोजगारमूलक कामों की योजना बनाई जा रही है। महाराष्ट्र आदिवासी विकास विभाग भी इस प्रक्रिया से जुड़ा है। मनरेगा को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा गया है जिससे लोग उनके खेतों में मेड़बंदी, समतलीकरण और वृक्षारोपण कर रहे हैं। गांव के प्रकाश मारूति डोलस बतलाते हैं, श्पहले हम नाचणी, सांवा, वरई, कांगु, बगर,कोलबा, हुलगे, तिल, उड़द की खेती करते थे। पहाड़ों के खेतों में हल नहीं चलता था, तो लकड़ी या लोहे से मिट्टी खोदकर हाथ से बीज बोते थे। अब तो हल भी चलाकर बोने लगे। पहले का खान–पान शुद्ध था, तो वे 100 किलोग्राम गेहूं की बोरी लेकर पहाड़ी चढ़कर गांव ले आते थे। उनकी मजबूत कद–काठी थी। देसी बीजों के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से वर्ष 2016 में बीज महोत्सव का आयोजन भी किया गया था। इस कार्यक्रम में 6 गांव के लोग उनके पारंपरिक देसी धान के बीज भी लगाए थे। देसी बीजों की प्रदर्शनी भी लगाई थी। कार्यक्रम में पारंपरिक अनाजों की जानकारी व महत्व पर बातचीत की गई। सह्याद्री स्कूल की प्राचार्या दीपा मोरे उनके स्कूली बच्चों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुई थीं और बच्चों ने भी देसी बीजों के बारे में जाना था। यहां खेती को जंगली जानवरों से नुकसान होता है। विशेषकर, सुअर और बंदर फसल चर जाते हैं। उन्होंने बताया कि जंगल ही उनका भूख का साथी है। जंगल से कंद–मूल जैसे अनीव, सांवा, हडूदा, तांबोली मिलते थे। फलों में करौंदा, जामुन, तोरोनो, अंबोड़ी, सिंद, बेर, चार, खोखली, जायफल, जैकफुट (कटहल), आम, आंवला इत्यादि। हरी पत्तीदार सब्जियों में कुरडू, गोमेटी, कटुली, चांवा, गोटिल भाजी, पटडी तोड़े, गोडू, तांदुळजा, मांसूरडा, कांटेमठ, चीलू इत्यादि। यहां की रानकेली (जंगली केला) भी प्रसिद्ध है। इसके अलावा, कई तरह की जड़ी–बूटियां भी मिलती हैं जैसे अमरकंद,बेडकापाला, बिउला, कुडा, उदाडा, हिरडा, बेहेडा, आंवला, बागदोडा, ऐला करंज इत्यादि। शिकाकाई से साबुन बनती है और यहां की शहद भी अच्छी मानी जाती है। सुभाष डोलस बताते हैं कि वर्ष 2017 में भोरगिरी व येळवळी गांव में शहद त्यौहार (हनीबी फेस्टिवल) का आयोजन किया गया था। इस मौके पर बच्चों ने चित्र बनाए, कहानियां पढ़ीं और मजे किए। यहां के स्वयं सहायता समूह जय सदगुरू महिला बचत गट और कल्पवृक्ष दोनों साथ मिलकर जंगल आधारित आजीविका को प्रोत्साहित करने का काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में वन अधिकार कानून के तहत दावा फार्म भरे जा रहे हैं और पर्यावरण आधारित पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है।भोरगिरी गांव में वर्ष 2022 में रानभाजी महोत्सव का आयोजन किया गया था। इस महोत्सव में अनेक प्रकार की जंगली सब्जियों और जंगली खाद्यों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। जिसमें कुई, उंबर चावा, चिचूर्डी, तोड्या, कारवी, घोमेती, हालुंदा इत्यादि थी। जंगली भोजन का लोगों ने लुत्फ भी उठाया। इस गांव में दो नेचर गाईड भी हैं, जिनमें एक सुभाष डोलस हैं। उन्होंने पक्षियों की 150 से अधिक प्रजातियों का दस्तावेजीकरण (फोटो के साथ विवरण) किया है। इनमें तिबेटी, खंडया, शामा, निलगिरी पिजान, हरियाल, मोर इत्यादि हैं। इसके अलावा, पेड़–पौधे, जंगली जानवर के बारे में भी जानकारी है। गांव में एक वन संरक्षण समिति का गठन भी किया गया है। इस समिति को 11 लाख रूपए की सहायता भी मिली, जिसके तहत इको टूरिज्म(पर्यावरण आधारित पर्यटन) की शुरूआत हो चुकी है। पर्यटन के लिए कुछ नियम भी बनाए गए हैं जैसे गांव की जानकारी के बिना कोई भी पर्यटक को नहीं रखेंगे। पर्यटकों की संख्या 30 से 40 के अंदर होनी चाहिए। पर्यटक को आने के 3 दिन पहले सूचना देनी होगी। सभी को रोजी मिले, इसके लिए बारी–बारी से पर्यटकों को ठहराने की व्यवस्था की जाएगी। पर्यटन से आनेवाली राशि को बैंक में जमा किया जाएगा। इस तरह पर्यावरण संरक्षण के साथ आजीविका की रक्षा के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यहां जो भी पर्यटक आते हैं, उन्हें जंगल में कचरा, प्लास्टिक, बोतल इत्यादि फैलाने से रोकने के लिए कहा जाता है। जंगल में जंगली जानवरों को किसी भी तरह की परेशानी या नुकसान न हो, यह ख्याल रखा जाता है।

आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों का होगा वर्ष 2025

डॉ.अजीत रानाडे

नए कैलेंडर वर्ष की शुरूआत हम हमेशा आशाओं के साथ करते हैं। आशा के साथ जीना मानव अस्तित्व की प्रकृति में है। आने वाले वर्ष में चुनौतियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, आशावादी हमेशा निराशावादियों से आगे निकल जाते हैं। निराशावादी अर्थशास्त्रियों द्वारा फैलाई गई निराशा या कयामत की कोई भी संभावना आशावादियों को रोक नहीं सकती। भविष्य के प्रति उनका विश्वास कम नहीं होता। उसी भावना के साथ वर्ष 2025 के लिए एक पूर्वानुमान है जो कठिन चुनौतियों से भरा है। आने वाला साल अनिश्चितताओं से भरा है। किसी प्रकार की सटीक भविष्यवाणी करना मूर्खता है और उस भविष्यवाणी का असफल होना निश्चित है। वैश्विक अनिश्चितता के मुख्य स्रोत आर्थिक और भू–राजनीतिक होते हैं। बाद में कुछ और भी कारक होते हैं। इनमें यूक्रेन में अंतहीन युद्ध का असर, इजरायल–हमास संघर्ष और पश्चिम एशिया के व्यापक क्षेत्र में इसका फैलाव, कई देशों में धुर दक्षिणपंथी दलों का उदय प्रमुख है, जिनमें जर्मनी भी शामिल है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल जर्मनी की सरकार ने इस महीने संसद में विश्वास मत खो दिया और अब वहां मध्यावधि चुनाव अगले साल के शुरू में होंगे। बढ़ते घाटे, वैदेशिक युद्धों के लिए अधिक धन की आवश्यकता, कौशल की कमी और कम शिक्षा से जूझ रही जर्मन अर्थव्यवस्था में लगातार दूसरे वर्ष संकुचन दिखाई दे रहा है। फिर, वहां बढ़ती विरोधी अप्रवासी भावना को अति दक्षिणपंथी दलों द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है। क्या जर्मनी रूस या नाटो की ओर झुकेगा? वह ईरान और उसके प्रतिद्वंद्वी चीन से कैसे निपटेगा? क्या उसकी अर्थव्यवस्था में उछाल आएगा? भू–राजनीति से परे आर्थिक अनिश्चितताओं का माहौल है जिसे 20 जनवरी, 2025 को शपथ लेने वाले अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प हवा दे रहे हैं। उन्होंने उच्च आयात शुल्क, सरकारी फंडिग में कटौती, मजबूत अप्रवासी विरोधी नीति को बढ़ावा देना, नीतियों और अधिकांश वैश्विक जलवायु संधियों से पीछे हटने का वादा किया है। उनकी सरकार अधिक संरक्षणवादी होगी। ट्रम्प सरकार के लेन–देन में अमेरिका के विशुद्ध फायदे के नजरिए के साथ अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में संलग्न होने की संभावना है। इसके साथ ही ट्रम्प सरकार को मंदी की हवा के बीच बढ़ती महंगाई से भी लड़ना होगा। उधर अमेरिकी सरकार का कर्ज 35 लाख करोड़ डॉलर के नए शिखर पर पहुंच गया है। कर्ज के पहाड़ को पुष्ट करने तथा उच्च घाटे व उधार लेने के पीछे सरकार की एक अतृप्त भूख है। सिर्फ ऋ ण पर लगभग 1 लाख करोड़ डॉलर का ब्याज देय है। उधार लेने की भूख अमेरिकी डॉलर को मजबूत रखती है जिसके कारण भारतीय रुपये जैसी अन्य मुद्राएं गिर जाती हैं। कमजोर मुद्राएं मुद्रास्फीति को खराब करने का कारण बनती हैं। अपने आर्थिक संकटों के बावजूद अमेरिकी शेयर बाजार ने 2024 के दौरान नई ऊंचाई देखीं जिससे वहां 150 से अधिक नए अरबपति बने। अमेरिका के 12 सबसे अमीर आदमी अब एक साथ 2 –2 लाख करोड़ डॉलर की हैसियत वाले हैं। इस प्रकार हमारे पास उच्च मुद्रास्फीति, उच्च बेरोजगारी, एक अनियंत्रित परिसंपत्ति बाजार विकास (स्टॉक और रियल एस्टेट) व व्यापक धन तथा आय असमानता का कॉकटेल है। देखा गया है कि जब पैसा कमाने का सामूहिक पागलपन जोर पकड़ लेता है तब शेयर बाजारों में अचानक और तेज सुधार की प्रवृत्ति होती है। साल 2008 में लेहमैन हादसे को बहुत कम लोगों ने समझा था। चीन अपने बैंकिंग और रियल एस्टेट में खींच–तान के साथ मंदी और बड़े कर्ज से भी लड़ रहा है। वह अक्षय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित नई अर्थव्यवस्था में संक्रमण करने की भी कोशिश कर रहा है। पूर्वी एशिया और जापान के अन्य हिस्से अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं और वहां बेहतर व्यापक आर्थिक विशेषताएं हैं। बढ़ती असमानता एक वैश्विक चिंता है और इसके उन्मूलन या उसमें कमी लाना संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स– एसडीजीज) में से एक है। लोक–लुभावन नारे देने वाले नेताओं का उदय, कल्याणकारी योजनाओं में बढ़ता खर्च बढ़ती असमानता की प्रतिक्रिया है। यह एक नई चुनौती है कि कल्याणकारी खर्च के राजकोषीय बोझ का प्रबंधन कैसे किया जाए। भारत में भी केंद्र और राज्य– दोनों सरकारों के कल्याणकारी खर्च में बड़े पैमाने पर विस्तार हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक की एक हालिया रिपोर्ट में सब्सिडी और मुफ्त उपहारों को अंधाधुंध रूप से बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी दी गई है। 2024 के दौरान भारत सहित साठ देशों में राष्ट्रीय चुनाव हुए और अधिकांश स्थानों पर मतदाताओं के लिए बढ़ती मुद्रास्फीति और असमानता बड़े मुद्दे थे। कई स्थानों पर, मुख्यतरू मुद्रास्फीति और आर्थिक कठिनाइयों के कारण चुनावों में (अमेरिका की तरह) सत्ताधारियों को हटा दिया गया था। भारत में भी झारखंड व महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव विशेष रूप से महिलाओं पर लक्षित उदार सब्सिडी के वादों से प्रभावित थे। देश में दो अन्य राज्य– दिल्ली और बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं तथा वहां गरीबों, महिलाओं और समाज के अन्य वर्गों को आय सब्सिडी की बात पहले से ही की जा रही है। कम से कम अभी के लिए यह बहस का विषय नहीं है कि इन सभी राहतों व घोषणाओं के लिए भुगतान कौन करने वाला है। भारत के घरेलू मोर्चे पर कई चीजों पर नजर रखनी होगी। दो राज्यों के विधानसभा चुनावों का उल्लेख पहले ही किया गया है। बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय जनगणना शुरू होने की संभावना है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक एवं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में सुधार की तैयारी है। संसदीय सीटों के पुनरू समायोजन के परिसीमन अभ्यास पर चर्चा शुरू होगी। इसकी समय सीमा 2026 निध ाारित की गई है। सोलहवां वित्त आयोग इस वर्ष के अंत में अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देगा। क्या यह सरकार के तीसरे स्तर को सुनिश्चित धन प्रदान करेगा? कई राज्यों में नगर पालिकाओं और पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों के चुनावों में काफी देरी हुई है जिससे स्थानीय शासन प्रभावित हुआ है।चूंकि भारत में व्यापार घाटा बढ़ गया है इसलिए नवनिर्वाचित ट्रम्प प्रशासन की डॉलर नीतियों के मजबूत होने की संभावना के कारण रुपये में गिरावट आने की आशंका है। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश बढ़ाने को लेकर चिंता बनी रहेगी। यह कई वर्षों से गिर रहा है। पूंजी का रिसाव व अमीर लोगों का दूसरे देशों में पलायन भी चिंता का विषय है। भारतीयों से शिक्षा के आयात (यानी विदेशों में पढ़ने वाले छात्रों पर होने वाल खर्च) पर 70 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। यह अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख निकास द्वार है और जो भारत में शिक्षा की गुणवत्ता या सामर्थ्य और उपलब्धता के बारे में असंतोष को दर्शाता है। प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर हम इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रसार, पेट्रोल के साथ इथेनॉल का अधिक सम्मिश्रण और शायद छोटे व मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टरों की पायलट परियोजनाओं की शुरुआत देखेंगे। एक बड़े आर्थिक विकास, जैसे निजी पूंजीगत खर्च में वृद्धि और ग्रामीण मजदूरी में सुधार पर नजर रखनी होगी। शहरी खपत में सुस्ती को देखते हुए फरवरी में पेश होने वाले केंद्रीय बजट में बजटीय प्रोत्साहन की जरूरत पड़ सकती है। संक्षेप में कहें तो निवेश तथा विकास के बारे में अनिश्चितताओं से भरा, असमानता को बढ़ाने वाला, भू–राजनीति और संघर्षों से प्रभावित एवं एक ढीली मौद्रिक नीति द्वारा निर्देशित परिसंपत्ति बाजार में वृद्धि से भरा वर्ष हमारे सामने आने वाला है।

नये राज्यपाल के आने के बाद बिहार में राजनीतिक बदलाव की संभावना

अरुण श्रीवास्तव

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 25 दिसम्बर को हुई बैठक के कई जटिल निहितार्थ थे। इसका उद्देश्य विपक्ष के आख्यानों का मुकाबला करने के लिए एक तंत्र विकसित करना था, मुख्य रूप से भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह को कांग्रेस के आक्रामक रूख से बचाने के लिए, क्योंकि कांग्रेस नेता भारत के संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर संबंधी शाह के बयान पर उनपर निशाना साध रहे हैं। दूसरा महत्वपूर्ण एजंडा नीतीश कुमार जैसे नेताओं को उनकी जगह दिखाना था। इसी के मद्देनजर, भाजपा की तर्ज पर एनडीए के लिए मार्गदर्शक मंडल बनाने का मुद्दा भी सामने आया। एनडीए के अधिकांश नेताओं के लिए बैठक बुलाना अनिवार्य हो गया था। भाजपा नेताओं के उस वर्ग के लिए भी, जो भाजपा आईटी सेल और अमित शाह के करीबी लोगों द्वारा फैलाये जा रहे झूठ को मानने के लिए तैयार नहीं थे। राज्यसभा में अंबेडकर के खिलाफ उनकी टिप्पणी के बाद एनडीए के कुछ सहयोगी दलों ने अपना गुस्सा और खीझ जाहिर की थी। आरएसएस के शीर्ष नेताओं ने भी शाह की गैरजिम्मेदाराना बयानबाजी की आलोचना की थी। स्थिति को संभालने के लिए पहले कदम के तौर पर भाजपा नेतृत्व ने एनडीए की बैठक बुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही अमित शाह को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपने पक्ष में करने की सलाह दी थी। एनडीए के सभी नेताओं में नीतीश कुमार सबसे आक्रामक थे, हालांकि शुरुआत में चिराग पासवान और जीतन राम मांझी भी काफी नाराज थे। पशुपति पारस के जाने के बाद एनडीए ने उन्हें पहले ही परेशान कर दिया था।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कथित संवैधानिक उल्लंघन के लिए उसकी कड़ी आलोचना की। मोदी ने इंडिया ब्लॉक पार्टियों पर हमला करने से परहेज किया। उनका पूरा प्रयास संकट से बाहर निकलने का था। अमित शाह को कांग्रेस के हमले में गहरी साजिश नजर आयी। शाह ने कहा कि कांग्रेस शुरू में चुप रही, लेकिन फिर राजनीतिक बयानबाजी के लिए उनके बयानों को संपादित और गलत तरीके से पेश किया। शाह ने आगे आरोप लगाया कि इन दावों को दुर्भावनापूर्ण तरीके से बढ़ाने के लिए एक टूलकिट का इस्तेमाल किया गया था। शाह को सफेद झूठ बोलते देखना चौंकाने वाला था। फिर भी, शाह, जो कुछ समय से नीतीश के साथ सहज हैं, ने उन्हें हटाने के लिए मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य का उपयोग करने का फैसला किया। जिस दिन एनडीए कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीति बनाने के लिए बैठक कर रहा था, उसी दिन मोदी–शाह की जोड़ी ने केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार भेज दिया। संयोग से, आरिफ के तबादले पर नीतीश से चर्चा नहीं की गयी थी। यह रात ग्यारह बजे के बाद हुआ। स्थानांतरण का अपना महत्व है। नीतीश और आरिफ दोनों ही वीपी सिंह कैबिनेट के सदस्य थे। वे अच्छे दोस्त हैं। अमित शाह को यकीन था कि नीतीश उनके कार्यभार संभालने पर आपत्ति नहीं करेंगे। इसका मुख्य कारण नीतीश को मुसलमानों का अपमान करने का कोई मौका नहीं देना था। अंबेडकर प्रकरण के बाद नीतीश कुमार ने अपनी भावनाओं से अवगत कराया था कि उन्हें अमित शाह द्वारा दलितों की भावनाओं का अपमान करना पसंद नहीं है। वे पहले से ही मुसलमानों का अपमान करने और उन पर आरोप लगाने के लिए मोदी और शाह से नाराज थे। नीतीश कुमार ने 23 दिसंबर को मोतिहारी से शुरू की गयी अपनी प्रगति यात्रा के दौरान बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर के सामने सिर झुकाया और उनके विचारों और आदर्शों की सफलता के लिए काम करने की कसम खाई। जेडी(यू) के कुछ वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, यह मोदी–शाह को यह संदेश देने की कोशिश थी कि वह अंबेडकर पर उनकी राजनीतिक लाइन का समर्थन नहीं करते। हालांकि अमित शाह उनके रवैये से चिढ़ते हैं, लेकिन मौजूदा राजनीतिक हालात में उनके पास नीतीश के रुख का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि उन्हें बाहर करने के लिए एक सुनियोजित योजना पर काम किया जा रहा है। बिहार में अमित शाह अपने महाराष्ट्र या मध्य प्रदेश के फॉर्मूले को नहीं दोहरायेंगे। इसके बजाय वह दलदल वाली रणनीति अपनायेंगे। जैसे जेडी(यू) नेताओं का एक समूह उन्हें बताये बिना अपना नेता चुने और फिर उनके बाहर होने की घोषणा करे। भाजपा के कुछ नेताओं के सार्वजनिक दावे के बावजूद कि बिहार एनडीए 2025 के विधानसभा चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़ेगा, राष्ट्रीय नेताओं, खासकर अमित शाह ने संकेत दिया है कि उनकी पार्टी उचित समय पर फैसला करेगी। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, जिन्हें अमित शाह का करीबी माना जाता है और कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, जो शाह के मित्र हैं, को छोड़कर जेडी(यू) के अधिकांश वरिष्ठ नेताओं को यह अच्छा नहीं लगा। नीतीश कुमार द्वारा कुछ दिन पहले राज्य स्तरीय श्वैश्विक निवेश सम्मेलनश का बहिष्कार करने से यह आशंका और बढ़ गयी है कि वे कोई अतिवादी कदम उठा सकते हैं। नाराज नीतीश कुमार ने 20 दिसंबर को राजगीर में मगध सम्राट जरासंध की एक प्रतिमा का अनावरण करने के लिए नालंदा जिले का अपना दौरा भी रद्द कर दिया। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा नीतीश कुमार से दुश्मनी मोल लेने की हिम्मत नहीं कर सकती। हालांकि अमित शाह की टिप्पणियों के बाद जेडी(यू) और नीतीश दोनों ही घबरा गये हैं। नीतीश कुमार के बिना भाजपा चुनावी जंग जीतने की कल्पना भी नहीं कर सकती। 22 दिसंबर को नुकसान की भरपाई के उपाय के तौर पर राज्य भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि आगामी बिहार चुनाव एनडीए और मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में जेडी(यू) प्रमुख नीतीश कुमार के साथ चुनाव लड़ा जायेगा। राष्ट्रीय भाजपा नेताओं को डर है कि उनकी योजना लागू होने से पहले ही विफल हो जायेगी। नीतीश कुमार जहां 2025 के मध्य में चुनाव कराने पर विचार कर रहे हैं, वहीं भाजपा नेता अक्टूबर–नवंबर में होने वाली नियत तिथि पर अड़े हुए हैं। दरअसल नीतीश कुमार को भाजपा की योजना के बारे में पता चल गया है और वह निश्चित रूप से उन्हें माफ नहीं करना चाहेंगे। सूत्रों का कहना है कि वह भाजपा नेताओं की विश्वासघाती योजनाओं से पहले से ही वाकिफ हैं, यही वजह है कि वह चुनाव समय से पहले कराना पसंद करेंगे। लेकिन उन्हें नये राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की भूमिका पर भी संदेह है। इस बीच, सूत्रों का कहना है कि उन्होंने चुनौतियों से पार पाने के लिए बैक चौनल खोल दिये हैं। राजद के कुछ नेताओं का मानना है कि लालू यादव नीतीश कुमार को समर्थन देने को तैयार हैं, लेकिन एक शर्त के साथरू उनके बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाया जायेगा। हालांकि, कुछ विपक्षी नेता इसे बेतुका मानते हैं और वे पहले स्थिति को संभालने और भाजपा की योजना को विफल करने के पक्ष में हैं। विवाद की शुरुआत जेडी(यू) में दूसरे नंबर के नेता माने जाने वाले संजय झा द्वारा आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को लिखे गये पत्र से हुई। एक सांसद के तौर पर झा किसी भी राजनीतिक दल के अध्यक्ष को पत्र लिख सकते हैं, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए था कि वे केजरीवाल द्वारा नीतीश कुमार को लिखे गये पत्र का जवाब दे रहे हैं। अपने जवाब में वे केजरीवाल के प्रति काफी कठोर थे। सवाल उठता है कि क्या वे व्यंग्यात्मक और तिरस्कारपूर्ण हो सकते हैं? क्या पत्र की विषय–वस्तु पर नीतीश कुमार की सहमति थी? बेशक झा की नीतीश के प्रति निष्ठा और समर्पण उन्हें दूसरों से अलग करता है। उल्लेखनीय है कि 19 दिसंबर को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर उनसे पूर्व कानून और न्याय मंत्री बीआर अंबेडकर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कथित विवादास्पद बयान के प्रभाव पर विचार करने का आग्रह किया। 20 दिसंबर को झा ने उन पर हमला कियारू जब नीतीश कुमार ने सीएम पद से इस्तीफा दिया, तो उन्होंने एक महादलित (जीतन राम मांझी) को मुख्यमंत्री बनाया। दिल्ली में, उन्होंने इस्तीफा देने के बाद या पंजाब में दलित मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया? एक्स सोशल मीडिया पोस्ट में झा ने लिखा, श्माननीय अरविंद केजरीवाल सर, मैंने बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखा आपका पत्र पढ़ा।

एक युगीन राजनेता

निस्संदेह, ख्यात अर्थशास्त्री और एक कुशल प्रशासक डॉ. मनमोहन सिंह का अवसान देश–दुनिया के लिये एक दुखद क्षण है। आज के दौर में उन जैसा कुशाग्र बुद्धि का अर्थशास्त्री व सहज–सरल व्यक्ति होना दुर्लभ ही है। वे ऐसे विशिष्ट व्यक्तित्व के धनी थे कि तमाम विषम परिस्थितियों में भी अपनी सज्जनता और विनम्रता बरकरार रखते थे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संप्रग गठबंधन की पराजय के अगले दिन 17 मई को प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र के नाम अपने अंतिम संबोधन में उन्होंने चिरपरिचित विनम्रता को दोहराया कि बड़ी जिम्मेदारी निभाते हुए भी उनका जीवन एक खुली किताब रहा है। उनके इस कथन पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि उन्होंने वित्तमंत्री और प्रध ाानमंत्री के रूप में सदैव राष्ट्र के लिए अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास किया। पहले वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण की नीतियों का कुशल नेतृत्व किया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री के रूप में महती भूमिका निभायी। निस्संदेह परिस्थितियां हमेशा हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं होती, लेकिन कड़ी मेहनत से उसे हासिल किया जा सकता है। वे कहते थे 'परिश्रम मेरा उपकरण और सच्चाई मेरा प्रकाश स्तंभ रहा है।' निर्विवाद रूप से सच्चाई और पारदर्शिता सदैव उनके व्यक्तित्व की आभा रही। उनके नेतृत्व वाली सरकार की एक बड़ी उपलब्धि वर्ष 2005 में सूचना अधिकार अधिनियम का अस्तित्व में आना था। इस ऐतिहासिक कानून का मकसद देश के नागरिकों को सशक्त बनाना और सरकारी विभागों के कामकाज में आवश्यक जवाबदेही सुनिश्चित करना था। इस सार्थक पहल से तंत्र के चारों ओर बना गोपनीयता का पर्दा आखिरकार हटा दिया गया। कालांतर लोगों को अहसास हुआ कि लोकतंत्र में सिर्फ वोट डालने के अलावा भी उनके तमाम अधिकार हैं। इसके अलावा वर्ष 2005 में एक अन्य अग्रणी सुधार के रूप में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अध िानियम लागू होना भी ग्रामीण विकास की यात्रा में मील का पत्थर साबित हुआ। निर्विवाद रूप से मनरेगा ने सामाजिक कल्याण के उपाय के रूप में ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को मजबूत करके जीवन बदलने में मदद की। जिसका सकारात्मक प्रतिसाद अगले आम चुनावों में संप्रग को मिला भी। इसके बावजूद मनमोहन सिंह अपनी सरकार की पहलों के बारे में शेखी बघारने और खुद अपनी पीठ थपथपाने में विश्वास नहीं रखते थे। उनकी प्राथमिकता खुद से पहले देश सेवा की रही है। लेकिन उनकी विफलता उन विसंगतियों को दूर न कर पाने में रही, जिसके चलते कालांतर यूपीए सरकार का पतन हुआ। यही वह चूक थी जिसके चलते भाजपा संप्रग सरकार के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मुद्दे को भुनाकर कांग्रेस से सत्ता छीनने में सफल रही। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत–अमेरिका के बीच असैन्य परमाणु समझौते को अमलीजामा पहनाया जा सका। जिसने कालांतर दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग के लिये गेमचेंजर की भूमिका निभायी। इसके बाद ही दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयां मिल सकी। निश्चय ही वर्ष 2008 के आतंकी हमले से भारत के मर्म पर चोट लगी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई से बचने का फैसला किया। इस व्यावहारिक निर्णय ने दोनों पड़ोसियों को एक और युद्ध में फंसने से रोक दिया था। हालांकि, वे आमतौर पर मृदुभाषी और आत्मकेंद्रित व्यक्ति थे, लेकिन जब स्थितियां अस्वीकार्य हो जाती थी तो वे अपने मन की बात कहने से नहीं चूकते थे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से पहले जारी एक पत्र में उन्होंने चुनावी समर में वोटों के लिये विभाजनकारी भाषणों को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर कड़ी अलोचना की थी। साथ ही राजग के शीर्ष नेतृत्व को सार्वजनिक संवाद की गरिमा बनाये रखने को कहा। बहरहाल, उनके योगदान को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का हमेशा सम्मान किया जाएगा। निस्संदेह, देश के सत्ताधीश मनमोहन सिंह की विरासत से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

जबरन निर्माण पर पुलिस महकमा मेहरबान

सुल्तानपुर(आरएनएस)। कोतवाली नगर के पयागीपुर मोहल्ले भूखंड संख्या 394 व 395 पर आशियाना बनाने का सपना संजोए अरविंद मिश्रा प्रतापगढ़ व रूपेश चौरसिया निवासी चांदा ने अपनी अपनी पत्नी के नाम बैनामा 2017 में लिया था।

बाउंड्रीवाल बनाकर गेट लगा सुरक्षित कर लिया था। वही डेंटल चिकित्सक डॉ सीडी सिंह ने भी इसी भूखण्ड में पत्नी के नाम बैनामा लिया। दोनों खतौनी धारकों की भी जबरन कब्जा होने की शुरू से शिकायत कर रहा है, बैनामा धारकों ने जबरन कब्जे की शिकायत एसपी से मिल कर किया था। ऐसे में रोकना तो दूर उल्टे लोकल पुलिस ने फर्जी सूचना देते हुए ऑनलाइन शिकायत का निपटारा कर दिया, जबकि उस समय दीवाल भी नही बनी थी। यदि आख्या के अनुरूप निर्माण रोक दिया गया था तो मकान की शटरिंग व लिंटर पड़ने तक का निर्माण कैसे हो गया? मकान बनाने के लिये शटरिंग चल रही है। विनियमित मकहमे के जेई की आख्या पर नियत प्राधिकारीध्एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी ने दो दिसम्बर को निर्माण पर रोक लगाने हेतु स्थगनादेश दिया है। इसके बावजूद नगर पुलिस की

सह पर धड़ल्ले से निर्माण चल रहा हैं।कहीं कब्जा धारक सजातीय होने व सत्ता के इशारे पर ही एसडीएम, सीओ व नगर कोतवाल समेत सब मौन है। जबकि एसडीएम सदर, कमिश्नरी व रेवेन्यू बोर्ड में वाद लंबित है।फिरभी अवैध निर्माण धड़ल्ले से चल रहा है। जबकि स्टे का पालन हो कोतवाल नगर नारदमुनि व सीओ प्रशांत सिंह को लिखित आदेश है। खैर अदालत मे लम्बित वाद व स्टे दोनों बौना हो साबित हो रहा हैं।इतना जरूर है कि शांति भंग में उल्टे चालान कर इतिश्री कर ली गई है।सूत्रों की माने तो जब शासन, सत्ता का आंतरिक फरमान है तो जबरन निर्माण जायज है। फिलहाल पीड़ित अब सीएम दरबार मे दस्तक देने के फिराक में हैं।

नाबालिग को भगा ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

श्रावस्ती (आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती घनश्याम चौरसिया द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान साथ ही महिला सम्बन्धी अपराधो की रोकथाम के संबंध में दिए गए निर्देशो के क्रम में थाना को0 भिनगा पर पंजीकृत मु0अ0स0 458ध2024 धारा 137(2), 65 (1) ठछै व 3ध4 पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त जहीर उर्फ मो0 जाहिर पुत्र याकूब उर्फ अकूप निवासी ग्राम हल्लाजोत थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को मुखविर की सूचना पर दहाना तिराहा के आगे प्राइवेट बस अड्डे के पास से गिरफ्तार किया गया।

वादिनी निवासी कुट्टीपुरवा दा0 हल्लाजोत थाना को0 भिनगा जनपद श्रावस्ती द्वारा थाना स्थानीय पर प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया जिसमें उल्लिखित किया गया कि वादिनी की नाबालिग पुत्री को विपक्षी जहीर उर्फ मो0 जाहिर पुत्र याकूब उर्फ अकूप निवासी ग्राम हल्लाजोत थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती बहला फुसला कर अपनें साथ भगा ले गया है। वादिनी के प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना को0 भिनगा पर मु0अ0सं0 458ध2024 धारा 137(2) ठछै पंजीकृत किया गया था। विवेचना के क्रम मे मुकदमा उपरोक्त में धारा 65 (1) ठछै व 3ध4 पाक्सो एक्ट की बढोत्तरी की गयी तथा अभियुक्त जहीर उर्फ मो0 जाहिर पुत्र याकूब उर्फ अकूप को गिरफ्तार किया गया।

सीएमओ कुशीनगर ने लैब टेक्नीशियन को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

कुशीनगर। भारत सरकार द्वारा सी आर एम टीम के माध्यम से पूरे कुशीनगर जनपद का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का जमीनी हकीकत जाना और सरकार द्वारा दी जानी वाली सुविधा ग्रामीण क्षेत्रों में मिल रही है कि नही जैसे अल्ट्रासाउंड की जांच, एक्स रे की जांच ,खून, पेशाब की जाच व डॉक्टरों द्वारा लिखा जाने वाला दवा मिलता है की नही इसकी जांच दिल्ली से आई सी आर एम टीम द्वारा किया गया था। जिसमे कुशीनगर जनपद के फाजिलनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लवकुश पश्चिम पट्टी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बेहतर कार्य किया । प्रयोगशाला जाच में लैब टेक्नीशियन राहुल सिंह द्वारा बेहतर कार्य करने के लिए सुशासन दिवस पर जिलाधिकारी महोदय व सीडीओ मैडम की उपस्थिति में राहुल सिंह को प्रशस्ति पत्र मुख्य चिकित्साधिकारी डा0सुरेश पटारिया द्वारा दिया गया । इस पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लवकुश के डॉ पूनम गुप्ता, डॉ विद्या शंकर ,फार्मासिस्ट रुद्र प्रताप सिंह, नन्दलाल गुप्ता आदि प्रशंसा जताई है।

संक्षेप

दुकानों पर करी छापामारी, हड़कम्प

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई के तहत मंगलवार को एसडीएम प्रीति सिंह के नेतृत्व में आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की अभियान के दौरान क्षेत्र में कई स्थानों पर अवैध कच्ची शराब के ठिकानों पर दबिश की गई और देसी शराब अंग्रेजी शराब और बीयर की दुकानों का निरीक्षण किया गया। उत्तर प्रदेश आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार परिवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी कुलदीप दिनकर के निर्देश में यह कार्रवाई की गई। एसडीएम प्रीति सिंह आबकारी निरीक्षक शिवानी सिंह चौहान और पुलिस उपाधीक्षक सौरभ श्रीवास्तव ने अपने दल के साथ यह अभियान चलाया। संयुक्त टीम ने थाना सफदरगंज क्षेत्र के बिरौली गांव में दबिश दी इसके अलावा उन्होंने औरेला पिपरिया चौराहे पर देसी और अंग्रेजी शराब की दुकानों का निरीक्षण किया। जांच में सभी दुकानें आबकारी नियमों के अनुरूप संचालित पाई गई।

थानों पर सुनी गई जनशिकायत

कौशाम्बी। थाना समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना मंझनपुर व थाना करारी में जनशिकायतों को सुनकर कुछ प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष प्रार्थना पत्रों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बन्धित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से मौके पर जाकर प्रकरण का निस्तारण किया जाये, जिससे फरियादियों को अलग–अलग भटकना ना पड़ें व प्रकरणों का त्वरित व न्यायपूर्ण निस्तारण हो सकें। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना मोहब्बतपुर पइन्सा व थाना सैनी पर, उपजिलाधिकारी मंझनपुर व क्षेत्राधिकारी द्वारा थाना पश्चिम शरीरा तथा क्षेत्राधिकारी सिराथू द्वारा थाना सैनी में जनशिकायतों को सुना गया तथा जनपद के समस्त थानों पर सम्बन्धित अधिकारी द्वारा जनशिकायतों को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित को अवगत कराया गया। जनपद में कुल 72 50 भूमि विवाद व 22 अन्य विवाद पुलिस प्राप्त प्रार्थना पत्रों में से 20 (09 भूमि विवाद व 11 अन्य विवाद पुलिस) का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु टीमों का गठन कर मौके पर रवाना किया गया।

बेटी का अपहरण, भटक रहा है पिता

जौनपुर (आरएनएस)। जलालपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 7 दिसंबर को

बाजार गई एक युवती के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता का आरोप है कि उनकी बेटी का अपहरण गांव के कुछ दबंगों ने किया है, लेकिन अब तक पुलिस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई है। पिता ने बताया कि घटना की रात जब वे शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचे, तो वहां मौजूद दीवान ने उनकी बात सुनने के बजाय डांटकर भगा दिया। अगले दिन थानाध्यक्ष के हस्तक्षेप से मुकदमा दर्ज हुआ, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल कागजी खानापूर्ति हुई। मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपित खुलेआम गांव में घूम रहे हैं। पिता ने आरोप लगाया है कि पुलिस आरोपितों को हिरासत में लेती है, लेकिन बीच रास्ते में ही छोड़ देती है। इससे आरोपितों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे पीड़ित परिवार को लगातार धमकियां दे रहे हैं और मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे हैं जिससे परिवार में दहशत का माहौल है। पीड़ित पिता ने पुलिस अधीक्षक सहित मुख्यमंत्री पोर्टल के माध्यम से बेटी को सुरक्षित बरामद करने और आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई है।

किशोरी को परिजनों को किया सुपुर्द

कड़ा, कौशाम्बी। परिजनों की डांट से क्षुब्ध होकर घर छोड़ कर फरार हुई किशोरी को चाइल्ड लाइन के जिमेदारों के अथक प्रयास से उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। परिजनों ने पीआरवी 1206 व चाइल्ड लाइन के कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया है। जानकारी के अनुसार कड़ाधाम थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी की मोबाइल को लेकर अपनी मां से झड़प हो गयी। घटना के बाद किशोरी जो कि मूक बधिर है वह आवेश में आकर घर छोड़ कर फरार हो गयी। इधर परिजन किशोरी को ढूंढने में जुटे रहे वहीं किशोरी थाना क्षेत्र के देवीगंज बाजार पहुंच गई।कस्बे में लोगों ने किशोरी को रोते–बिलखते देखा तो उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन के जिम्मेदारों को मामले से अवगत कराया जिस पर चाइल्ड हेल्प लाइन द्वारा डायल 112 पुलिस से संपर्क कर मौके पर भेजा गया।सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने किशोरी को सकुशल चाइल्ड लाइन पहुंचाया जहाँ चाइल्ड लाइन के कर्मचारियों के अथक प्रयास से किशोरी के परिजनों से संपर्क कर उसे सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। किशोरी के परिजनों ने चाइल्ड लाइन के कर्मचारियों का विशेष रूप से आभार जताया है।

इंडो–नेपाल बार्डर ताल बघौड़ा एव बनिया गाँव का किया निरीक्षण

श्रावस्ती (आरएनएस)। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने इंडो नेपाल बॉर्डर ताल बघौड़ा एवं बनिया गांव पहुँचकर क्षेत्रों के सीमावर्ती गाँवों के आसपास जाकर निरीक्षण कर सुरक्षा का जायजा लिया तथा निरन्तर निगरानी रखने हेतु सुरक्षा बलों को निर्देश दिया। इस दौरान उन्होने सीमा स्तम्भों का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बाजार का भी भ्रमण कर जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम वासियों से मिलकर उनकी समस्याओं को भी सुना। जिलाधिकारी ने बताया कि सरकार जनता को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होने कहा कि यदि गांवों में किसी भी व्यक्ति की कोई समस्या है तो उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण करने हेतु एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से यदि कोई भी व्यक्ति वंचित है और वह पात्रता की श्रेणी में है, किन्तु उनकों सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। ऐसे पात्र लोगों को पात्रता के आधार पर लाभ दिलाया जाएगा।

बच्ची के अपहरण का खुलासा, पांच गिरफ्तार

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में अपराध पर अंकुश लगाने को चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी एवं क्षेत्राधिकारी मऊ जयकरन सिंह के पर्यवेक्षण में एसओजी व थाना मारकुण्ड़ी की संयुक्त टीम ने नवजात बच्ची के अपहरण की घटना का खुलासा करते

➢ –पिता ने ही दस हजार रुपए में युवक को बेंचा था चार दिन की जन्मी बच्ची

हुये बच्ची को बरामद कर अपहरण करने वाले पांच आरोपियों को घटना मे प्रयुक्त बैगनार कार व बाइक के साथ गिरफ्तार किया है।

सोमवार को एसपी कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि 11 अक्टूबर को मारकुंडी थाना के डोडामाफी गांव निवासी सुनील कुमार पुत्र नत्थू प्रसाद ने थाने में सूचना दी थी कि 10 अक्टूबर को उनकी गर्भवती पत्नी गुन्जा देवी को प्रसव पीडा होने पर मझगवां अस्पताल लेकर जा रहे थे, किन्तु अचानक दर्द बढने से वह अपनी बहन के यहां टिकरिया में रुक गया। जहां पर सुबह 10 बजे उसकी पत्नी ने एक पुत्री को जन्म दिया।

इसके बाद एक कार में तीन लोग व एक महिला आई और बोली की वह सरकारी आदमी हैं। बच्ची का टीकाकरण होना है। जिसके लिये अस्पताल चलना पड़ेगा। 50 हजार रुपये की सहायता राशि सरकार के द्वारा दी जायेगी। जिस पर वह सरकारी गाडी समझकर उनके साथ बैठ गया। कर्वी मे पटेल तिराहा के पास उसे उक्त लोगों के द्वारा फोटोकापी के लिये भेजकर वह नवजात बच्ची को लेकर फरार हो गये। इस सूचना के आधार पर थाना मारकुण्डी में रिपोर्ट दर्ज की गई। एसओजी एवं थाना पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुये टिकरिया रेलवे फाटक के सीसीटीवी फुटेज चेक किया। घटना मे प्रयुक्त गाड़ी नम्बर पता करने पर ज्ञात हुआ कि संतोष कुमार मिस्त्री पुत्र गुलाब सिंह पटेल निवासी मुजाहिदपुर मूरतगंज थाना संदीपन घाट जनपद कौशाम्बी की गाड़ी है। जिसे हिरासत मे लेकर पूंछतांछ करने पर बताया कि गांव का ही परिचित अमित कुमार पुत्र शिबबाबू गाड़ी ले गया था। जिसकी निशानदेही पर अमित पटेल को वाहन के साथ पकड़ा गया। कड़ाई से पूंछतांछ में बताया कि गाड़ी में चालक के रुप में था। उसके साथ अनामिका अस्पताल मूरतगंज की देखरेख करने वाला सुधीर सिंह उर्फ डाक्टर पुत्र दयाराम निवासी मलाक नगर थाना चरवा जनपद कौशाम्बी, दोस्त जंसवन्त प्रजापति पुत्र रामसुचित प्रजापति निवासी रामनगर थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज टीवीएस राइडर बाइक से मानिकपुर पहुंचे। जहां से आशा गुड्डू देवी पत्नी गोरेलाल आरख निवासी गोपीपुर थाना मारकुण्डी को गाड़ी में लेकर टिकरिया रेलवे स्टेशन आए। जहां से एक नवजात बच्ची को उसके पिता से 10 हजार रुपये में खरीदा था। बच्ची अनामिका अस्पताल में सुधीर सिंह की देखरेख में है। जिसे टीम ने अनामिका अस्पताल के पास से सुधीर सिंह उर्फ डाक्टर व जसवंत प्रजापति को नवजात बच्ची के साथ गिरफ्तार किया। आशा गुड्डु देवी को मारकुण्डी तिराहा से पकड़ा गया है। पकड़े गए जसवन्त प्रजापति ने बताया कि उसकी शादी को 10 वर्ष हो रहा है। कोई संतान नही है। पत्नी को लोग ताना मारते है। इसलिये योजना बनाकर इस घटना को अंजाम दिया। घटना में नवजात बच्ची के पिता सुनील कुमार की भी संलिप्तता पायी गयी। जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओजी प्रभारी निरीक्षक एमपी त्रिपाठी, आरक्षी पवन राजपूत, गोलू भार्गव, आशीष यादव, रोहित, ज्ञानेश मिश्रा, रोशन सिंह व प्रभारी निरीक्षक मारकुंडी शिवआसरे, एसएसआई शैलेन्द्र चन्द्र पांडेय, एसआई अरविन्द कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी कलीमुद्दीन, आरक्षी अतुल परिहार, महिला आरक्षी बबीता मौजूद रहे।

गांवो का विकास देता है देश को मजबूती : अंगद सिंह

रामनगर, बाराबंकी। क्षेत्र पंचायत सदस्यों बैठक में जल जीवन मिशन से जुड़े अधिकारियो के अनुपस्थित रहने पर नाराजगी जताई गई।राशन कार्ड बनाने का मुद्दा भी उठा और चक मार्ग पटाई में प्रधानों को होने वाली समस्याओ के निदान में ब्लॉक के सहयोग की अपेक्षा की गई।ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में एमएलसी अंगद सिंह ने कहा कि सभी मिलकर गाँवों का विकास करें जो अधिकारी नही आए है उनके खिलाफ लिखा जाएगा बीडीओ जितेंद्र कुमार ने बताया कि करीब तीन करोड़ 50 लाख के कार्य संचालित हुए जिनमे ग्यारह कार्य अभी भी हो रहे है।जल्द ही वे पूर्ण कर लिए जाएंगे। पंचायत घर, सामुदायिक शौचालय, आवास निर्माण, दुधारू पशुपालन सहभागिता योजना ,सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला, पारिवारिक लाभ, फैमिली आईडी,मत्स्य पालन हेतु निजी भूमि पर तालाब की खुदाई सहित तमाम योजनाओं के बारे में जानकारी दी।जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ललित कुमार वर्मा पप्पू ने वृक्षारोपण के लिए वन विभाग द्वारा दिए जाने वाले पौधों की संख्या कई गुना बढ़ा चढ़ा कर दर्शाए जाने का मामला उठाते हुए कहा कि दिए जाने वाले वृक्षों की गिनती कराई जाए।बैठक में वन क्षेत्राधिकारी अल्पना पांडेय, प्रभारी एडीओ पंचायत अभय शुक्ला, एडीओ ए जी दलबीर सिंह यादव, एडीओ आईएसबी जयराम बाल्मिकी,पूर्ति निरीक्षक सुनील कुमार, अवर अभियंता आरईएस केपी सिंह ने भी अपने–अपने विभागों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। बैठक में प्रधान सुनील यादव,शिवम मिश्रा, विवेक सिंह, दीपू अवस्थी, मोहम्मद उस्मान, गब्बर यादव, बृजेश शर्मा, वीरेंद्र रावत,अब्दुल मन्नान व सचिव बीना चतुर्वेदी,अमित मौर्य,विनीत राय ऋषभ पांडेय आदि मौजूद रहे।

वीर बाल दिवस का हुआ आयोजन

लालगोपालगंज– प्रयागराज। गुरुवार को इब्राहिमपुर स्थित बीजेपी कार्यालय पर वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता फाफामऊ के विधायक गुरुप्रसाद मौर्या ने करते हुए कहा कि वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरुगोविंद सिंह जी के बलिदानी पुत्रों को स्मरण करना चाहिए। जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा दिया था। इससे पहले समाजसेवी व बीजेपी नेता आफताब आलम उर्फ पप्पू कुरैशी ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। पूर्व चेयरमैन प्रदीप केशरवानी, संजय तिवारी, सुरेंद्र मिश्र, रामू कुशवाहा, मुनीम जी, गोलू तिवारी, कुलदीप तिवारी, आशीष केशरवानी, नफीस अहमद आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बालिकाओं को बताये गये स्वावलम्बी बनाने के गुण, जुटे बच्चे

देवा, बाराबंकी। विकास खण्ड बंकी के ग्राम पंचायत मनेरा में स्थित कंपोजिट स्कूल में महिंद्रा ग्रुप के नांदी फाउंडेशन की ओर से कक्षा 6 से 8 तक की बालिकाओं को स्वालंबी व आत्मनिर्भर बनाने वित्तीय साक्षरता नैतिक संबंध की जानकारी समेत राष्ट्रीय शिक्षा नीति के करकुलम को ध्यान में रखते हुए जेंडर एक्टिविटी के अंतर्गत प्रोजेक्ट नन्ही कली के माध्यम से स्किल 10 दिन का स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण लगातार जारी है।ट्रेनर संजना रस्तोगी व शिवांगी निगम ने बताया कि लड़कियों को उनकी क्षमता तक पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक परिदृश्य के साथ तालमेल बैठाने के लिए व अभिनव रणनीतियों में गहराई जानने ,युवा महिलाओं के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से महिंद्र एजुकेशन ट्रस्ट प्रोजेक्ट नन्ही कली व संयुक्त रूप से नांदी फाउंडेशन द्वारा एक अभिनव पहल की जा रही है। बालिकाएं नियमित रूप से हमारे कार्यक्रम को अच्छे से सीख रही हैं व अपनी सहभागिता दिखा रही है, इसके लिए पहले ट्रेनर प्रीति यादव ने बालिकाओं को 4माह से खेल सहित विभिन्न सहगामी क्रियाकलाप को सिखाया। कंपोजिट स्कूल मनेरा बंकी के प्रधानाचार्य प्रदीप सिंह ने बताया कि यह बालिकाओं को स्वालंबी बनाने व महिला सशक्तिकरण के लिए एक अच्छी कोशिश व पहल है।इस मौके पर नन्ही कली की ट्रेनर प्रीति यादव विद्यालय के स्टाफ रश्मि सिंह नीरजा पाठक, विनीता सिंह, अलका सिंह, दीपा सिंह, समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहे।

एक लाख किसानों ने कराया रजिस्ट्री

जौनपुर (आरएनएस)। किसानों को किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं की पारदर्शी तरीके से त्वरित लाभ प्रदान कर उनकी आमदनी बढ़ाने के लिए एग्री स्टैक योजना के तहत जनपद के किसानों का आधार की तर्ज पर किसान कार्ड बनाया जा रहा है, इसके लिए रोस्टर जारी कर 26 जनवरी तक जिले की समस्त राजस्व गांवो में शिविर लगाकर किसान रजिस्ट्री की जाएगी। जिले में कुल सात लाख किसान पीएम किसान सम्मान निधि के लाभार्थी है, जिन्हें नियमित रूप से योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। जनवरी के अंत तक 19 वी किस्त जारी होने तक सभी लाभार्थियों को फार्मर रजिस्ट्री कराकर किसान गोल्डेन कार्ड बनवा लेना है, क्योंकि अगली किस्त के लिए किसान कार्ड (फार्मर रजिस्ट्री) बनवाना अनिवार्य कर दिया गया है, 26 जनवरी तक किसान कार्ड न बनवाने वाले कृषकों की किस्त रुक सकती है। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री में किसान का आधार नंबर,खेत का रखवा नंबर, खसरा नंबर, मोबाइल नंबर आदि का विवरण दर्ज किया जाएगा, पूरा विवरण दर्ज होने के बाद किसानों को एक यूनिक नंबर जारी होगा इस नंबर के जरिए ही संबंधित किसान का पूरा विवरण देखा जा सकेगा। रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण होने के बाद किसान कार्ड बनाया जाएगा, कार्ड से मिलने वाले नंबर के जरिए ही पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जाएगा।

किसान कार्ड (फार्मर रजिस्ट्री) के लिए जिले के हर राजस्व गांव में शिविर का आयोजन किया जा रहा है इसमें कृषि विभागध् पंचायत विभाग एवं राजस्व विभाग के दो– कर्मचारी रहेंगे, शिविर में गांव के संबंधित किसान का नाम, पिता का नाम, स्वामित्व वाले सभी गाटा संख्या, सहखातेदार होने की स्थिति में गाटों में किसान का अंश, आधार नंबर, ई–केवाईसी विवरण आदि दर्ज करेंगे। किसी प्रकार के स्वामित्व स्थानांतरण (विसारत, बैनामा आदि) होने पर किसान रजिस्ट्री में बदलाव किया जा सकेगा, इससे किसान के हर गाटे में हर सत्र में बोई जाने वाली फसल का विवरण भी शामिल किया जाएगा। बताया कि अभी तक किसान को किसी भी तरह का ऋण लेने के लिए बार–बार राजस्व रिकार्ड देना पड़ता है, किसान रजिस्ट्री होने पर उसके नंबर को संबंधित एप पर डालकर उसका पूरा विवरण देखा जा सकेगा, इससे किसान कल्याण की योजनाएं बनाने और उसके क्रियान्वयन में आसानी होगी, लाभार्थियों को सत्यापन कृषि उत्पाद के विपणन और अन्य वित्तीय मामलों में सहूलियत होगी।

साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि भुगतान, फसली ऋण के लिए किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा, आपदा के दौरान किसानों को क्षति पूर्ति देने के लिए किसानों का चयन करने में आसानी होगी, साथ ही राजस्व विवादों का भी निस्तारण होगा।

जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने बताया कि किसान कार्ड (फार्मर रजिस्ट्री) कराने के लिए किसान 'कैम्प' के अलावा भारत सरकार द्वारा जारी किए गए मोबाइल एप 'फार्मर रजिस्ट्री यूपी' एप से स्वयं घर बैठे कर सकते है, अथवा अपने नजदीकी जन सेवा केन्द्र (सीएससी) से अपना आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नम्बर एवं खतौनी ले जाकर निर्धारित शुल्क देकर अपनी फार्मर रजिस्ट्री कराकर किसान कार्ड बनवा सकते है।

ताला तोड़कर पचास हजार नकदी और आभूषण चोरी

जौनपुर (आरएनएस)। जलालपुर थाना क्षेत्र के पराऊगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के कुटीर चक्के गांव में गुरुवार रात चोरों ने एक घर में घुसकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने घर के अंदर घुसकर अलमारी का ताला तोड़ दिया और उसमें रखे 50 हजार रुपये नकद, सोने की अंगूठी और अन्य कीमती आभूषण चोरी कर फरार हो गए। घटना के समय मकान मालिक संतोष दूबे अपने परिवार के साथ घर से बाहर थे। सुबह जब पड़ोसियों ने घर का ताला टूटा और सामान बिखरा हुआ देखा, तो उन्हें चोरी की जानकारी हुई। इसके बाद मकान मालिक और पुलिस को घटना की सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में यह आशंका जताई गई है कि चोरों का गिरोह संगठित हो सकता है। चोरी की इस घटना से इलाके के लोगों में भय का माहौल बन गया है। वहीं, पुलिस ने शीघ्र ही अपराधियों को पकड़ने का भरोसा दिया है।

क्रिसमस पर्व सप्ताह पर इलाहाबाद धर्मप्रचारक बिशप लुईस को सिस्टर ने बधाई दी।

महाकुंभ में एनसीआर तेरह से अधिक ट्रेनों का संचालन करेगा।

प्रयागराज। आगामी महाकुंभ में उत्तर मध्य रेलवे श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और कुशल यात्रा हेतु विशेष ट्रेनों का संचालन करेगा। जिसमें दस हजार से अधिक नियमित गाड़ियां यात्रियों की सेवा में होंगी। इसके अलावा, 3,000 से अधिक विशेष गाड़ियां चलाई जाएंगी। विशेष ट्रेनों का वितरण। आउटवर्ड गाड़ियां (जिन्हें आयोजन से बाहर जाने के लिए संचालित किया जाएगा)रू 2,000 विशेष गाड़ियां। इनवर्ड गाड़ियां (वापसी की यात्रा के लिए)रू 800 विशेष गाड़ियां। रिंग रेल मेमू सेवा शुरू की जाएगी। यह सेवा अयोध्या, काशी और चित्रकूट जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा को सहज और सुगम बनाएगी। तीर्थयात्रियों को इस सेवा के माध्यम से बिना किसी परेशानी के सीधी यात्रा का अनुभव मिलेगा। महाकुंभ 2013 में भारतीय रेलवे ने कुल 1,122 विशेष गाड़ियों का संचालन किया था। जबकि महाकुंभ 2025 के लिए, विशेष गाड़ियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। इस महाकुंभ में भीड़भाड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की यात्रा को आसान बनाने के लिए, 23 जोड़ी (कुल 46 ट्रेनों) को प्रयागराज और नैनी जंक्शन पर अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा।

प्रोफेसर सिद्दीकी भारतीय भूगोलवेत्ता संघ के उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्विद्यालय के भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष

हैदराबाद में चल रहे भारतीव भूगोल कांग्रेस के 46 वे अधिवेशन में भारतीय भूगोलवेत्ता संघ में उपाध्यक्ष पद पर भारत के मध्य क्षेत्र से सर्व सम्मति से निर्वाचित हुए है। भारतीय भूगोल कांग्रेस उस्मानिया विश्विद्यालय में ऊर्जा संसाधन में सतत विकास में भूस्थानिक तकनीकी की उपयोगिता और सतत विकास में वैश्विक लक्ष्यों पर होने वाली पॉलिसी पर 27 से 29 दिसंबर के बीच उस्मानिया विश्विद्यालय हैदराबाद में देश विदेश के कई वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

गुजरात हस्तशिल्प उत्सव का समापन।

प्रयागराज। इन्डेक्स्ट–सी, गुजरात सरकार द्वारा शिल्प हाट, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज मे 20 से 29 दिसंबर, 2024 तक लगे गुजरात हस्तशिल्प उत्सव मे शिल्पकारो की कलाकृति का प्रदर्शन–एवं–बीक्री का आयोजन कीया गया। साथ ही मे उत्सव के प्रथम 3 दिन गुजरात के प्रसिद्ध राश–गरबोने नगरवासियों का मन मोह लिया ओर दर्शक कलाकारों

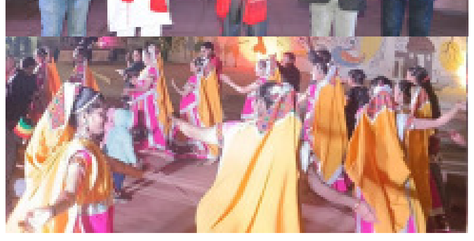

के संग मंच पे गरबे के रंग में रंग कर झुम उठे थे। यह उत्सव मे लगातार 10 दिनो तक गुजरात की हथकरघा और हस्तशिल्प कलाकृतियां का विशेष संग्रह से गृह सजावट ओर आदि सामान से शिल्पहाट छाया रहा। गुजरात की कला–कारीगरी कद्र कर उनसे विभिन्न चिज–वस्तुओकी दील खोल के खरीदारी कर सब का मन जीत लिया। मेले मे उपस्थित ओफिस सुप्रीटेंडेंट किरण पटेल ने बताया की रू.65 लाख से ज्यादा की बिक्री कर शिल्पकारोने अच्छी आमदनी की है। उत्सव का आयोजन आर.एस. प्रजापति, सिनियर ओफिसर (पी.पी.), आर.ऐस. शाह, मेनेजर (कलास–1) के द्वारा एन. डी. परमार जी.ए.ऐस., एज्युकीटीव डायरेक्टरश्री के दिशा–निर्देश से कीया गया। ये उत्सव कि सफता के लिए प्रवीण सोलंकी आइ.ए.एस., चेरमेन, इन्डेक्स्ट–सी एवं सेक्रेटरी, कमिशनर, कॉटेज एंड रूरल इंडस्ट्रीने आयोजको, शिल्पकार ओर मेलेसे जुडे सभी लोगो की सराहना की।

प्रथम राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्निवल कैम्प

प्रयागराज। प्रतियोगिता के चतुर्थ व पाँचवें दिवस में रंगोली, गाँव का मेला, कैम्प क्राफ्ट का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि जे.एस. लाकरा अध्यक्ष एवं अपर महाप्रबन्धक उत्तर मध्य रेलवे रहे। कार्यक्रम में उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मण्डलों (प्रयागराज, झांसी एवं आगरा) के सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता की निर्णायक समिति में मुकेश कुमार कुलश्रेष्ठ डिप्टी सी.पी.ओ. मुख्यालय एवं स्टेट सेक्रेटरी, हेमेन्द्र कुमार मोर्या राज्य प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट, मंजू जोशी, राज्य संगठन आयुक्त गाइड, छाया सक्सैना लीडर, कु. सोनाली विश्वकर्मा लीडर, अनिल कुमार शर्मा, एच. डब्ल्यू.बी. (रोवर). डी.टी.सी. आगरा अंकित सक्सैना रहे। बच्चों को पुरस्कृत कर उत्सावर्धन किया। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि वी. के गर्ग राज्य मुख्य आयुक्त एवं वरि. महाप्रबन्धक, अतिथि मुदित चन्द्रा, मु. कार्मिक अधिकारी प्रशासन एवं उपाध्यक्ष, संजीव कुमार हाण्डू चिकित्सा निदेशक, आशिष अग्रवाल सीनि.डी.एम.ओ हेल्थ एवं राज्य आयुक्त, मंजू लता हाण्डू ए. सी.एच.डी. सी.एच. एवं राज्य आयुक्त, अनम सिद्दकी डी. जी.एम. लों एवं राज्य आयुक्त, सीमा कुलश्रेष्ठ राज्य आयुक्त (मु.), संतोष कुमारी राज्य आयुक्त (मु.), मुकेश कुमार कुलश्रेष्ठ डिप्टी सी.पी.ओ. मुख्यालय एवं स्टेट सेक्रेटरी, संतोष वाजपेयी डब्ल्यू.एस.ओ. एवं असिस्टेण्ट स्टेट सेक्रेटरी, राजबली शर्मा एल.टी.ध्रोवर एवं एक्स एस. ओ. सी., रविकान्त शर्मा, राज्य संगठन आयुक्तध् स्काउट, पंकज राज, सहा. राज्य संगठन आयुक्त (स्का.), हेमेन्द्र कुमार मोर्या राज्य प्रशिक्षण आयुक्तध्स्काउट तीनों मण्डलों के स्काउट–गाइड एवं रोवर–रेंजर तथा लीडर्स तथा अन्य मंडलो से आये स्काउटर गाइडर मुख्यालय का पूर्ण योगदान रहा।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय: शिक्षक भर्ती नीति पर सुप्रीम मोहर लगी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय बनाम गीतांजलि तिवारी पांडे एवं अन्य सिविल अपील संख्या 12411 ध् 2024 को अंतिम रूप से निस्तारित करते हुए माननीय उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अपनायी जा रही शिक्षक भर्ती नीति को सही मानते हुई इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ द्वारा पारित आदेश दिनांक 18ध्01ध्2024 को खारिज कर दिया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी जया कपूर ने कहा कि गीतांजलि पांडेय एवं अन्य द्वारा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हो रही शिक्षक भर्ती में एपीआई अंक की गणना में अतिथि प्रवक्ता के तौर पर न्ळब् हतंकम चंल मानक से कम पे किये गए शिक्षण कार्य के अनुभव का प्रति वर्ष 2 अंको की मांग की गयी थी, जिसपर इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा अपनी विस्तृत रिपोर्ट और एक्सपर्ट समिति के द्वारा की गई स्क्रीनिंग प्रक्रिया का हवाला देते हुए। न्ळब् हतंकम चंल से कम के वेतनमान पे किए गए कार्य को शैक्षिक कार्य अनुभव के रूप में स्वीकार नही किआ गया था। इसपर इलाहाबाद विश्वविद्यालय की दलील को सही मानते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट की एकल पीठ ने गीतांजलि पांडेय एवं ब्रह्मदेव की याचिका को खारिज कर दिया था, परंतु फिर अभ्यर्थियों द्वारा हाइकोर्ट की डिवीजन बेंच में इस आदेश को पुनः चौलेंज किआ गया, जिसपे निर्णय इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विरुद्ध दिनांक 18ध्01ध् 2024 को पारित हुआ। इसके विरुद्ध इलाहबाद विश्विद्यालय ने उच्चत्तम न्यायालय में अपील दाखिल करते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपने नीतिगत निर्णय तथा नीति का ब्योरा दिया, जिसपर विस्तार पूर्वक हुई बहस के उपरांत सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाइकोर्ट के खंडपीठ के निर्णय को खारिज कर दिया तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा अपनायी गयी शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को सही मानते हुए, अपील को अपने आदेश दिनांक 18ध्12ध्2024 से निस्तारित कर दिया।

एसबीएम निदेशक ने आईसीसीसी, बसवारा स्थित लेगसी साइट और सी एन्ड डी प्लांट का निरिक्षण किया

प्रयागराज। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, स्वच्छ भारत मिशन निदेशक बिनय कुमार झा ने रविवार को नगर निगम कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने नगर निगम स्मार्ट सिटी बिल्डिंग में नवनिर्मित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कंट्रोल रूम देखा और कार्यप्रणाली की जानकारी ली। शहर की एआई मॉनिटरिंग और समस्याओं का त्वरित निस्तारण होता देख निदेशक ने नगर निगम के कार्यों की सराहना की और पूरी टीम को शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 70 किलोमीटर तक मुख्य सड़कों के दायरे को कवर काबिल–ए– तारीफ है। शहर में अतिक्रमण, सड़क किनारे पड़े कूड़े खराब स्ट्रीट लाइट, स्ट्रे एनिमल की निगरानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के माध्यम से की जा रही है। यह अपने आप में अचीवमेंट है। इस दौरान नगर आयुक्त श्री चंद्रमोहन गर्ग ने निदेशक बिनय झा को महाकुंभ–2025 का मोमेंटो भेंट किया। संतोषजनक है महाकुम्भ की तैयारी निदेशक बिनय झा स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत नगर निगम की ओर से प्रयागराज में स्थापित उत्तर प्रदेश का पहला सी एंड डी प्लांट देखने पहुंचे। साथ ही उन्होंने बसवारा स्थित लेगसी साइट का निरीक्षण भी किया और इस दौरान नगर निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

बांग्लादेशियों ने निगमकर्मियों को दौड़ा–दौड़ाकर पीटा,महिला सुपरवाइजर को खींचा, मेयर भड़कीं तो निगम ने 50 झोपड़ियां तोड़ी

लखनऊ, (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ में रविवार सुबह बांग्लादेशियों ने निगमकर्मियों को दौड़ा–दौड़ाकर पीटा। पर्स और मोबाइल लूट लिए। महिला सुपरवाइजर को पकड़ कर खींचा, कपड़े फाड़ दिए। बवाल की सूचना मिलते ही मेयर सुषमा खर्कवाल मौके पर पहुंचीं। मेयर ने कहा बांग्लादेशी नगर निगम के कर्मचारियों को पीटेंगे और पार्षद प्रतिनिधि पर डंडों से हमला होगा तो मेरे मेयर रहने का क्या मतलब? जेसीपी साहब इनके खिलाफ कार्रवाई करो, नहीं तो धरने पर बैठूंगी। भले ही मेरी सरकार है। इसके बाद निगम की टीम ने इंदिरा नगर थाने के पीछे खाली प्लॉट में बनी 50 झुग्गियां को 2 घंटे में तोड़ दीं। इन झुग्गियों में रहने वाले अपना सामान निकालकर गाड़ियों से ले गए। मौके पर बवाल न हो, इसलिए भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। इससे पहले, नगर निगम टीम सुबह 7 बजे इंदिरा नगर में जोन–7 में घोड़े वाले मंदिर के पास मानस एन्क्लेव के सामने अवैध ठेलों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची थी। ठेलों को हटाने के दौरान विवाद हो गया। अचानक 200 लोग जुट गए और टीम पर हमला कर दिया। निगमकर्मियों ने भाग कर जान बचाई। इस दौरान लोगों ने एक पार्षद प्रतिनिधि को भी डंडों से पीटा। मेयर ने लखनऊ कमिश्नर और डीएम को फोन करके मामले की जानकारी दी। पीएसी भेजने के लिए भी कहा। इस पूरे मामले में भारतीय किसान यूनियन अवध अराजनीतिक से जुड़े राजू गुप्ता ने कहा कि हमारा संगठन इस कार्रवाई का विरोध करता है। नगर निगम के अधिकारियों की शिकायत का पत्र हमने पहले दिया था। लखनऊ नगर निगम कर्मचारियों और बांग्लादेशियों के बीच मारपीट का एक वीडियो सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि पुलिस भी मौके पर मौजूद है, इसके बावजूद बांग्लादेशियों ने मारपीट की। वे लाठी और डंडे लेकर वहां पहुंचे। पहले निगम कर्मियों के साथ बहस हुई। इसके बाद मारपीट की गई। अवैध झुग्गियों का बिजली कनेक्शन काटने पहुंचे बिजली विभाग के अधिकारी को भी मेयर सुषमा खर्कवाल ने फटकार लगाई। उन्होंने अधिकारी को तारों का जंजाल दिखाया और कहा कि इस तरह से आपका विभाग काम करता है। इस पर बिजली अधिकारी कुछ भी बोलने से बचते नजर आए। मेयर सुषमा खर्कवाल ने खुद खड़े होकर इन झुग्गियों की बिजली कटवा दी। बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यहां प्री–पेड कनेक्शन चल रहा था। जबकि मौके पर अवैध तरीके से कटिया फंसाकर बिजली चोरी की जा रही थी।

सीमेंट व्यापारी एसोसिएशन के अभिषेक मसानी अध्यक्ष और आकाश आहुजा कार्यकारी अध्यक्ष बने

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सीमेंट डीलर्स एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नई युवा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने शपथ ली। इस दौरान संगठन के भविष्य की योजनाओं पर विचार–विमर्श किया। जिला ईकाई संरक्षक मनीष अग्रवाल, जिला अध्यक्ष अभिषेक मंसानी, जिला वरिष्ठ महामंत्री जिम्मी गर्ग, जिला कोषाध्यक्ष निर्मल गुप्ता, जिला कार्यवाहक अध्यक्ष आकाश हूजा, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अर्पित जैन जी के साथ संगठन मंत्री महेंद्र गोयल एवं अंकुर जैन और जीएसटी प्रभारी सीए सार्थक जैन, लीगल प्रभारी आई एम पांडे, मल्टीमीडिया संयोजक अंशुल अग्रवाल और परिवहन प्रभारी सागर वर्मा एवं रवि यादव के साथ दस उपाध्यक्ष और दस महामंत्री विजय साहू, सुरेंद्र सचदेव, मुदस्सर नजर, विवेक सिंह, भास्कर गुप्ता, निखिल सिंह, मो.सलाउद्दीन, ज्ञानेन्द्र अवस्थी, अम्बुज कुमार, मनीष यादव, कमल अग्रवाल, डी के मिश्रा आदि को दायित्व देने के साथ शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों ने अपने–अपने पद की शपथ लेते हुए संगठन के विकास और सीमेंट डीलर्स के हितों के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। इस दौरान नई कार्यकारिणी की योजनाओं और नीतियों को लागू करने पर चर्चा की गई। शपथ ग्रहण समारोह में एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष श्याम मूर्ति गुप्ता, अजय त्रिपाठी मुन्ना और लखनऊ के विभिन्न सीमेंट डीलर्स ने बड़ी संख्या में भाग लिये। कार्यक्रम के दौरान संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सभी पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से प्रयास करने का भरोसा जताया।

वाईएमसीए ने मैच जीता

प्रयागराज। नगर निगम की ओर से आयोजित सात दिवसीय 'स्वच्छता महाकुम्भ' के पांचवें दिन 29 दिसम्बर रविवार को दो पालियों में क्रिकेट मैच हुआ। जमुना क्रिश्चियन कॉलेज में चल रहे 'स्वच्छता प्रयाग प्रीमियर लीग' में चार टीमों के बीच दिलचस्प मुकाबला हुआ। 31 दिसम्बर तक चलने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट में 18 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। 30 दिसम्बर को सेमी फाइनल मैच खेला जाएगा। ईश्वर शरण कॉलेज की टीम ने की पहले बल्लेबाजी पहली पाली में ईश्वर शरण कॉलेज और बाल भारती स्कूल के बीच मैच हुआ। ईश्वर शरण कॉलेज की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

मैदान पर उतरे ईश्वर शरण कॉलेज के धुरंधरों ने 8 ओवर में 64 रन बनाए। टीम के आदित्य ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 17 रनों का योगदान दिया। वहीं, जवाब में उतरी बाल भारती की टीम 8 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 63 रन बना पाई। ईश्वर शरण कॉलेज की टीम ने एक रन से मैच जीत लिया। वाईएमसीए ने 104 रनों से जीता मैच दूसरी पाली का मैच वाईएमसीए और जमुना क्रिश्चियन कॉलेज के बीच हुआ। वाईएमसीए की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। टीम के ओपनर बल्लेबाज लक्ष्य यादव और आयुष्मान गुप्ता ने शानदार पारी खेली और दोनों की पार्टनरशिप में 55 रन बने। लक्ष्य यादव ने 28 रन तो आयुष्मान गुप्ता ने 27 रन बनाए। पूरी टीम ने मिलकर 8 ओवर में 133 रनों का स्कोर खड़ा किया। वहीं, जवाब में उतरे जमुना क्रिश्चियन कॉलेज के बल्लेबाज मैदान पर कमाल न दिखा सके और पूरी टीम 29 रन बनाकर सिमट गई। वाईएमसीए ने 104 रनों से मैच जीत लिया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062